चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	5-1-26	2	1-6

The Tribune

Hisar varsity scientist gets patent for beekeeping dispenser

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, JANUARY 4

A scientist of Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), Professor OP Chaudhary, has developed a multipurpose dispenser for beehives which has been granted design patent (number 320896-00) by the Patent Office of the Centre.

Prof OP Chaudhary, Director of the Regional Research Centre of the university at Karnal, stated that honey bees contributed approximately Rs 1.12 lakh crore annually to the Indian economy through pollination, in addition to providing nutritious food such as honey. However, diseases and pests have attacked the bees significantly, he said, adding that in India, varroa mite infestation since 2004 has destroyed about 50-70 per cent of bee colonies. Through the integrated varroa management method developed by him, effective control of varroa mite has been achieved in India.

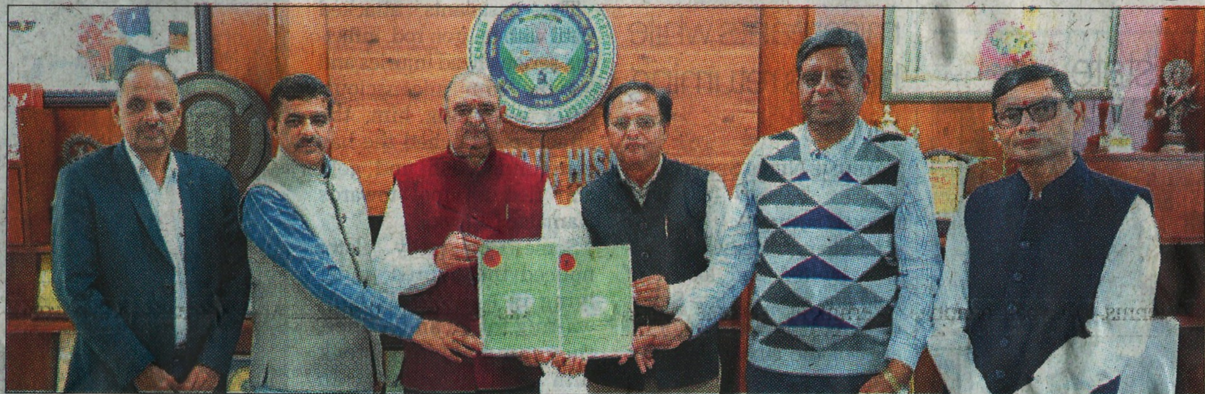

The HAU Vice-Chancellor felicitates Professor OP Chaudhary for his innovation.

The multipurpose dispenser is a special device developed to prevent various insects and diseases harmful to honey bees. Through this dispenser, all types of formulations—such as solid, liquid, powder, gel, etc.—of insecticides, miticides, chemicals, and medicines used for the control of bee diseases and pests can be applied. These include control of diseases and pests like varroa mite, parasitic mite syndrome, acarapis mite, European foul brood, wax moth, and others.

The university spokesperson said this dispenser could be used at any location inside the beehive, such as on the bottom board, top bars of frames, or between frames. Its use not only improved efficiency and ensured the safety of bees, but also prevented harmful toxic chemical residues in honey and other bee products such as pollen and royal jelly.

The multipurpose dispenser can be easily used in hives of both honey bee species—apis mellifera and apis cerana. It protects bees by preventing their direct contact with chemicals while effectively controlling their enemies. The dispenser can be used throughout the year—in summer, winter, and rainy seasons—without disturbing the daily activities of bees. Due to its special design, it enhances the efficiency of beekeepers and significantly reduces labour.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	5-1-26	9	2-5

हकृवि को मधुमक्खी मल्टीपर्पज डिस्पेंसर के लिए मिला पेटेंट

- कुलपि प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने वैज्ञानिक को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज ⏭हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रोफेसर ओपी चौधरी ने मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपज डिस्पेंसर बनाया है। इस खोज के लिए भारत सरकार से डिज़ाइन पेटेंट संख्या 320896-00 मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने वैज्ञानिक प्रो. ओपी चौधरी द्वारा अर्जित के गई इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी है। कुलपति प्रो. कम्बोज ने बताया कि 'मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपज डिस्पेंसर' एक विशेष यंत्र है जिसे मधुमक्खियों को नुकसान पहुंचाने वाले विभिन्न प्रकार के कीड़ों व बीमारियों की रोकथाम के लिए विकसित किया गया है। इस डिस्पेंसर द्वारा मधुमक्खी रोगों व कीटों की रोकथाम के लिए प्रयुक्त सभी प्रकार के कीटनाशी, माइटनाशी, रसायन व दवाइयों के फ़ॉर्म्यूलेशंस जैसे कि ठोस, द्रव, पाउडर, जैल आदि का प्रयोग विभिन्न रोगों वरोआ माइट, पैरासिटिक माइट सिंड्रोम, अकरैपिस माइट, यूरोपियन फ़ाउल ब्रूड, मोमी पतंगा, आदि के रोकथाम के लिए किया जा सकता है। इस डिस्पेंसर की विशेषता यह है कि इसका प्रयोग मधुमक्खी बॉक्स में तलपट्टा, फ्रेमों की टॉप बार, फ्रेमों के मध्य आदि किसी भी स्थान पर किया जा सकता है। इसके प्रयोग से न केवल कार्यकुशलता व मधुमक्खियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

हिसार। कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज वैज्ञानिक के साथ। फोटोः हरिभूमि

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5-1-26	5	3-5

हकृवि को मधुमक्खी मल्टीपर्पज डिस्पेंसर के लिए मिला पेटेंट

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिक को दी बधाई

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज वैज्ञानिक के साथ।

हिसार, 4 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रोफेसर ओ. पी. चौधरी द्वारा मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपज डिस्पेंसर बनाया है। इस खोज के लिए भारत सरकार से डिजाइन पेटेंट संख्या 320896-00 मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिक प्रो. ओ. पी. चौधरी द्वारा अर्जित के गई इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि 'मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपज डिस्पेंसर' एक विशेष यंत्र है जिसे मधुमक्खियों को नुकसान पहुंचाने वाले विभिन्न प्रकार के कीड़ों व बीमारियों की रोकथाम हेतु विकसित किया गया है। इस डिस्पेंसर द्वारा मधुमक्खी रोगों व कीटों की रोकथाम हेतु प्रयुक्त सभी प्रकार के कीटनाशी, माइटनाशी, रसायन व दवाइयों के फॉर्म्यूलेशंस जैसे कि ठोस, द्रव, पाउडर, जैल आदि का प्रयोग विभिन्न रोगों वरोआ माइट, पैरासिटिक माइट सिंड्रोम, अकरैपिस माइट, यूरोपियन फ़ाउल ब्रूड, मोमी पतंगा, आदि के रोकथाम के लिए किया जा सकता है। इस डिस्पेंसर की विशेषता यह है कि इसका प्रयोग मधुमक्खी बॉक्स में तल्पपट्टा, फ्रेमों की टॉप बार, फ्रेमों के मध्य आदि किसी भी स्थान पर किया जा सकता है। इसके प्रयोग से न केवल कार्यकुशलता व मधुमक्खियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है बल्कि शहद व अन्य मधुमक्खी उत्पादों जैसे कि पराग, रॉयल जैली आदि में हानिकारक जहरीले रसायनों के अवशेषों से भी बचाव होता है। इसीलिए भारत सरकार के पेटेंट ऑफिस नें इस आविष्कार के लिए इस मल्टीपरपज डिस्पेंसर को डिजाइन पेटेंट प्रदान किया है। मल्टीपरपज डिस्पेंसर का उपयोग मधुमक्खी की दोनों प्रजातिओं-एपिस मेलीफेरा व एपिस सेरेना- के बक्सों में सरलता से किया जा सकता है। यह मधुमक्खियों को रसायनों के सीधे संपर्क में आने से बचाकर उन्हें पूरी तरह सुरक्षित रख कर इनके शत्रुओं का प्रभावी नियंत्रण करता है।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	5.1.25	7	4-5

हकृवि को मधुमक्खी मल्टीपर्पज डिस्पेंसर के लिए मिला पेटेंट

हिसार, 4 जनवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रोफेसर ओपी चौधरी द्वारा मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपर्पज डिस्पेंसर बनाया है। इस खोज के लिए भारत सरकार से डिजाइन पेटेंट संख्या 320896-00 मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिक प्रो. ओ. पी. चौधरी द्वारा अर्जित के गई इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी है।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपर्पज डिस्पेंसर एक विशेष यंत्र है जिसे मधुमक्खियों को नुकसान पहुंचाने वाले विभिन्न प्रकार के कीड़ों व बीमारियों की रोकथाम हेतु विकसित किया गया है। इस डिस्पेंसर द्वारा मधुमक्खी रोगों व कीटों की रोकथाम हेतु प्रयुक्त सभी प्रकार के कीटनाशी, माइटनाशी, रसायन व दवाइयों के फॉर्म्यूलेशंस जैसे कि ठोस, द्रव, पाउडर, जैल आदि का प्रयोग विभिन्न रोगों वरोआ माइट, पैरासिटिक माइट सिंड्रोम, अकरैपिस माइट, यूरोपियन फाउल ब्रूड, मोमी पतंगा, आदि के रोकथाम के लिए किया जा सकता है।

इस डिस्पेंसर की विशेषता यह है कि इसका प्रयोग मधुमक्खी बॉक्स में तल्पपट्टा, फ्रेमों की टॉप बार, फ्रेमों के मध्य आदि किसी भी स्थान पर किया जा सकता है। विश्वविद्यालय के करनाल स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र के निदेशक प्रोफेसर ओपी चौधरी ने बताया कि मधुमक्खियां पौधों के परागण द्वारा लगभग 1.12 लाख करोड़ रुपए मूल्य की वृद्धि प्रतिवर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था में करती हैं। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5.1.26	3	1-7

हकृवि को मधुमक्खी मल्टीपरपज डिस्पेंसर के लिए मिला पेटेंट

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज वैज्ञानिक के साथ।

हिसार, 4 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रोफेसर ओ. पी. चौधरी द्वारा मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपज डिस्पेंसर बनाया है। इस खोज के लिए भारत सरकार से डिजाइन पेटेंट संख्या 320896-00 मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिक प्रो. ओ. पी. चौधरी द्वारा अर्जित के गई इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि 'मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपज डिस्पेंसर' एक विशेष यंत्र है जिसे मधुमक्खियों को नुक़सान पहुंचाने वाले विभिन्न प्रकार के कीड़ों व बीमारियों की रोकथाम हेतु विकसित किया गया है। इस डिस्पेंसर द्वारा मधुमक्खी रोगों व कीटों की रोकथाम हेतु प्रयुक्त सभी प्रकार के कीटनाशी, माइटनाशी, रसायन व दवाइयों के फॉर्म्यूलेशंस जैसे कि ठोस, द्रव, पाउडर, जैल आदि का प्रयोग विभिन्न रोगों वरोआ माइट, पैरासिटिक माइट सिंड्रोम, अकरैपिस माइट, यूरोपियन फाउल ब्रूड, मोमी पतंगा, आदि के रोकथाम के लिए किया जा सकता है। इस डिस्पेंसर की विशेषता यह है कि इसका प्रयोग मधुमक्खी बॉक्स में तल्पपट्टा, फ्रेमों की टॉप बार, फ्रेमों के मध्य आदि किसी भी स्थान पर किया जा सकता है।

इसके प्रयोग से न केवल कार्यकुशलता व मधुमक्खियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है बल्कि शहद व अन्य मधुमक्खी उत्पादों जैसे कि पराग, रॉयल जैली आदि में हानिकारक जहरीले रसायनों के अवशेषों से भी बचाव होता है। इसीलिए भारत सरकार के पेटेंट ऑफिस नें इस आविष्कार के लिए इस मल्टीपरपज डिस्पेंसर को डिज़ाइन पेटेंट प्रदान किया है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-1-26	3	1-5

मधुमक्खी बॉक्स में तल्पपट्टा, फ्रेमों की टॉप बार, फ्रेमों के मध्य डिस्पेंसर का किया जा सकता है प्रयोग

एचएयू ने तैयार किया मधुमक्खी मल्टीपर्पज डिस्पेंसर कीड़ों और रोगों से करेगा बचाव, सरकार से मिला पेटेंट

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपर्पज डिस्पेंसर बनाया है। इस खोज के लिए भारत सरकार से डिजाइन पेटेंट मिल गया है।

एचएयू कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने डिस्पेंसर बनाने वाले वैज्ञानिक प्रो. ओपी चौधरी को बधाई दी है। मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपर्पज डिस्पेंसर एक विशेष यंत्र है जिसे मधुमक्खियों को नुकसान पहुंचाने वाले विभिन्न प्रकार के कीड़ों व बीमारियों की रोकथाम के लिए विकसित किया गया है।

इस डिस्पेंसर द्वारा मधुमक्खी रोगों व कीटों की रोकथाम हेतु प्रयुक्त सभी प्रकार के कीटनाशी, माइटनाशी, रसायन व दवाइयों के फ़ॉर्म्यूलेशंस जैसे कि ठोस, द्रव, पाउडर, जैल आदि का प्रयोग विभिन्न रोगों वरोआ माइट, पैरासिटिक माइट सिंड्रोम, अकरैपिस माइट, यूरोपियन फाउल ब्रूड, मोमी पतंगा, आदि के रोकथाम के लिए किया जा सकता है।

इस डिस्पेंसर की विशेषता यह है कि इसका प्रयोग मधुमक्खी बॉक्स में तल्पपट्टा, फ्रेमों की टॉप बार, फ्रेमों के मध्य आदि किसी भी स्थान पर किया जा सकता है। इसके प्रयोग से न केवल कार्यकुशलता व मधुमक्खियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है बल्कि शहद व अन्य मधुमक्खी उत्पादों जैसे कि पराग, रॉयल जैली आदि में हानिकारक जहरीले रसायनों के अवशेषों से भी ज्यादातर बचाव होता है।

इसीलिए भारत सरकार के पेटेंट ऑफिस ने इस आविष्कार के लिए इस मल्टीपर्पज डिस्पेंसर को डिजाइन पेटेंट प्रदान किया है। इस अवसर पर मुख्य रूप से कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हिसार। वैज्ञानिक प्रो. ओपी चौधरी को सम्मानित करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य।

उपयोग मधुमक्खी की दोनों प्रजातियों के लिए कारगर

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि मल्टीपर्पज डिस्पेंसर का उपयोग मधुमक्खी की दोनों प्रजातिओं-एपिस मेलीफ़ेरा व एपिस सेरेना- के बक्सों में सरलता से किया जा सकता है। यह मधुमक्खियों को रसायनों के सीधे संपर्क में आने से बचाकर उन्हें पूरी तरह सुरक्षित रख कर इनके शत्रुओं का प्रभावी नियंत्रण करता है। मल्टीपर्पज डिस्पेंसर को वर्ष के सभी मौसमों-गर्मी, सर्दी, बरसात आदि में मधुमक्खियों की दैनिक गतिविधियों में बाधा डाले बिना प्रयोग किया जा सकता है। इसके विशेष डिजाइन के कारण मधुमक्खी पालक की कार्यकुशलता बढ़ती है व मधुमक्खी पालन के कार्यों में मेहनत भी काफ़ी कम हो जाती है।

भास्कर इनसाइट

भारत में 2004 से कीड़ों और बीमारियों का आक्रमण बढ़ा

एचएयू के करनाल स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र के निदेशक प्रोफेसर ओपी चौधरी ने बताया कि भारत में लंबे समय से कई बीमारियों व कीड़ों का आक्रमण बढ़ा है। भारत में वरोआ माइट के वर्ष 2004 से आक्रमण लगभग 50-70 प्रतिशत मधुमक्खी कॉलोनियां नष्ट हुई हैं। उनके द्वारा खोजे गए समन्वित वरोआ मैनेजमेंट विधि से भारत में वरोआ माइट का प्रभावी नियंत्रण कर लिया गया है। मधुमक्खियां पौधों के परागण द्वारा करीब 1.12 लाख करोड़ रुपए मूल्य की वृद्धि प्रतिवर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था में करती हैं। इसके अतिरिक्त शहद जैसा पौष्टिक आहार भी देती हैं। परंतु पिछले काफी समय से कई बीमारियों व कीड़ों का आक्रमण बहुत बढ़ा है। इसके बाद एचएयू ने इस दिशा में कीड़ों और बीमारियों की रोकथाम को लेकर काम किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5-1-26	2	1-4

अनुसंधान

एचएयू को मधुमक्खी मल्टीपरपज डिस्पेंसर के लिए मिला पेटेंट, कुलपति ने दी बधाई

नवाचार से सुनिश्चित होगी मधुमक्खियों की सुरक्षा

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के वैज्ञानिक प्रो. ओपी चौधरी द्वारा विकसित 'मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपज डिस्पेंसर' को भारत सरकार ने पेटेंट दिया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने प्रो. ओपी चौधरी को बधाई दी और इसे मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में नवाचारी और उपयोगी खोज बताया।

हिसार में वैज्ञानिक के साथ कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : विश्वविद्यालय

प्रो. कांबोज ने बताया कि यह मल्टीपरपज डिस्पेंसर विशेष रूप से उन कीटों और बीमारियों की रोकथाम के लिए विकसित किया गया है, जो मधुमक्खियों को नुकसान पहुंचाते हैं। इस डिस्पेंसर के माध्यम से ठोस, द्रव, पाउडर, जैल आदि सभी प्रकार के कीटनाशक और माइटनाशक रसायन का सुरक्षित उपयोग किया जा सकता है। यह यंत्र वरोआ माइट, पैरासिटिक माइट सिंड्रोम, अकरैपिस माइट, यूरोपियन फाउल ब्रूड और मोमी पतंगा जैसी समस्याओं के नियंत्रण में प्रभावी सिद्ध होता है।

इस डिस्पेंसर की खासियत यह है कि इसे मधुमक्खी बक्से में कहीं भी आसानी से लगाया जा सकता है। इसके प्रयोग से मधुमक्खियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है और शहद, पराग, रॉयल जैली आदि उत्पादों में रसायनों के अवशेषों से बचाव होता है। इसके कारण, भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने इसे डिजाइन पेटेंट प्रदान किया है।

प्रो. ओपी चौधरी ने बताया कि इस डिस्पेंसर का उपयोग एपिस मेलीफेरा और एपिस सेरेन जैसी दोनों प्रमुख मधुमक्खी प्रजातियों में किया जा सकता है। यह रसायनों से मधुमक्खियों को बचाते हुए उनके शत्रुओं का प्रभावी नियंत्रण करता है। इसका प्रयोग सभी मौसमों में किया जा सकता है, जिससे मधुमक्खी पालकों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है और श्रम की भी बचत होती है।

प्रो. चौधरी ने बताया कि मधुमक्खियां परागण के माध्यम से भारतीय अर्थव्यवस्था में हर साल लगभग 1.12 लाख करोड़ रुपये का योगदान करती हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2004 से वरोआ माइट के कारण देश में 50 से 70 प्रतिशत तक मधुमक्खी कॉलोनियां प्रभावित हुई हैं, लेकिन उनके द्वारा विकसित समन्वित वरोआ प्रबंधन विधि से इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया गया है।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा और मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-1-26	3	1-5

हकृवि को मधुमक्खी मल्टीपरपस डिस्पेंसर के लिए मिला पेटेंट

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रोफेसर ओपी चौधरी ने मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपस डिस्पेंसर बनाया है। इस खोज के लिए भारत सरकार से डिजाइन पेटेंट संख्या 320896-00 मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने विज्ञानी प्रो. ओपी चौधरी द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी है।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपज डिस्पेंसर एक विशेष यंत्र है जिसे मधुमक्खियों को नुकसान पहुंचाने वाले विभिन्न प्रकार के कीड़ों व बीमारियों की रोकथाम के लिए विकसित किया गया है। इस डिस्पेंसर द्वारा मधुमक्खी रोगों व कीटों की रोकथाम के लिए प्रयुक्त सभी प्रकार के कीटनाशी, माइटनाशी, रसायन व दवाइयों के फार्म्यूलेशंस जैसे कि ठोस, द्रव, पाउडर, जैल आदि का प्रयोग विभिन्न रोगों वरोआ माइट, अकरैपिस माइट, यूरोपियन आदि के रोकथाम के लिए किया जा सकता है। इस अवसर पर कुलसचिव डा. पवन कुमार, डा. राजबीर गर्ग, डा. एसके पाहुजा व डा. रमेश कुमार उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज (बाएं से तृतीय) विज्ञानियों के साथ • विज्ञप्ति

डिस्पेंसर की यह है विशेषता

डिस्पेंसर की विशेषता यह है कि इसका प्रयोग मधुमक्खी बाक्स में तल्पपट्टा, फ्रेमों की टाप बार, फ्रेमों के मध्य आदि किसी भी स्थान पर किया जा सकता है। मधुमक्खियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है बल्कि शहद व अन्य मधुमक्खी उत्पादों जैसे कि पराग, रायल जैली आदि में हानिकारक जहरीले रसायनों के अवशेषों से भी बचाव होता है। इसीलिए भारत सरकार के पेटेंट आफिस ने इस आविष्कार के लिए पेटेंट प्रदान किया है।

मधुमक्खी की दोनों प्रजातिओं में हो सकता है मल्टीपरपस डिस्पेंसर का उपयोग

मल्टीपरपस डिस्पेंसर का उपयोग मधुमक्खी की दोनों प्रजातिओं–एपिस मेलीफ़ेरा व एपिस सेरेना– के बक्सों में सरलता से किया जा सकता है। यह मधुमक्खियों को रसायनों के सीधे संपर्क में आने से बचाकर उन्हें पूरी तरह सुरक्षित रख कर इनके शत्रुओं का प्रभावी नियंत्रण करता है। वर्ष के सभी मौसमों–गर्मी, सर्दी, बरसात आदि में मधुमक्खियों की दैनिक गतिविधियों में बाधा डाले बिना प्रयोग किया जा सकता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	5-1-26	9	2-4

हकृवि में 49वां कुलपति सम्मेलन आज, तैयारियां पूरी

- डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा होंगे मुख्य अतिथि
- 'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' पर होगा मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हिसार। सम्मेलन के दृष्टिगत सजाया गया विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 5 व 6 जनवरी को होने वाले कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों के 49वें कुलपति सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन का शुभारंभ 5 जनवरी को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा मुख्य अतिथि के तौर पर करेंगे। जीबीपीयूएटी, पंतनगर के कुलपति एवं आईएयूए के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे जबकि हकृवि कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि 'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' विषय पर होने वाले इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के 50 से अधिक कुलपति भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में कुलपति, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भविष्य की कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर मंथन करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5-1-26	5	7-8

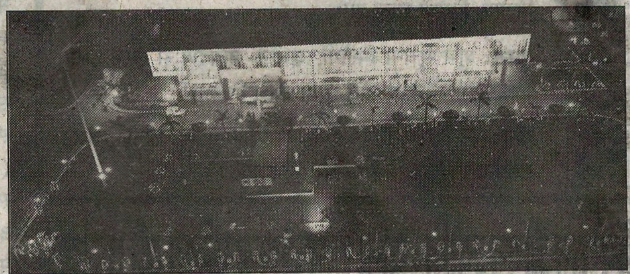

विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन।

हकृवि में होने वाले 49वें कुलपति सम्मेलन की तैयारियां पूरी

डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा होंगे मुख्य अतिथि

हिसार, 4 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 5 व 6 जनवरी को आयोजित होने वाले कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों के 49वें कुलपति सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन का शुभारंभ 5 जनवरी को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। जीबीपीयूएटी, पंतनगर के कुलपति एवं आईएयूए के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह विशिष्ठ अतिथि जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। यह जानकारी देते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि 'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' विषय पर होने वाले इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के 50 से अधिक कुलपति भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में कुलपति, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भविष्य की कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर मंथन करेंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	5.1.26	7	1

आज हकृवि में 50 से अधिक कृषि विवि के कुलपति आएंगे

हिसार, 4 जनवरी (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 5 व 6 जनवरी को आयोजित होने वाले कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों के 49वें कुलपति सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन का शुभारंभ 5 जनवरी को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। जीबीपीयूएटी, पंतनगर के कुलपति एवं आईएयूए के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह विशिष्ट अतिथि जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। यह जानकारी देते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि 'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के 50 से अधिक कुलपति भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में कुलपति, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भविष्य की कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर मंथन करेंगे'।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	5.1.26	5	1

हकृवि में होने वाले 49 वें कुलपति सम्मेलन की तैयारियां पूरी, डिप्टी स्पीकर डॉ. मिढ़ा होंगे मुख्य अतिथि

-'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' पर होगा मंथन

हिसार, 4 जनवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 5 व 6 जनवरी को आयोजित होने वाले कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों के 49 वें कुलपति सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन का शुभारंभ 5 जनवरी को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। जी.बी.पी.यू.ए.टी., पंतनगर के कुलपति एवं आईएयूए के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह विशिष्ठ अतिथि जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

यह जानकारी देते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि 'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' विषय पर होने वाले इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के 50 से अधिक कुलपति भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में कुलपति, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भविष्य की कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर मंथन करेंगे। सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5-1-26	4	7-8

हकृवि में कुलपति सम्मेलन आज, 50 से अधिक कृषि विवि के कुलपति लेंगे भाग

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पांच व छह जनवरी को कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों के 49वें कुलपति सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। सम्मेलन का शुभारंभ 5 जनवरी को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। जीबीपीयूएटी, पंतनगर के कुलपति एवं आईएयूए के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह विशिष्ट अतिथि होंगे, जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि 'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' विषय पर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के 50 से अधिक कुलपति भाग लेंगे। सम्मेलन में कुलपति, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भविष्य की कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर मंथन करेंगे। सम्मेलन में जैविक एवं प्राकृतिक खेती, पर्यावरण संरक्षण, फसल विविधीकरण, फसल अवशेष प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर भी विस्तृत विचार विमर्श किया जाएगा।

	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5-1-26	2	7-6

एचएयू में 49वां कुलपति सम्मेलन आज से, डिप्टी स्पीकर करेंगे शिरकत

कार्यक्रम में 50 से अधिक कृषि विश्वविद्यालयों के वीसी आएंगे

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में 5 व 6 जनवरी को आयोजित कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वैज्ञानिकों व नीति निर्धारकों के 49वें कुलपति सम्मेलन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन का शुभारंभ 5 जनवरी को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। जीबीपीयूएटी, पंतनगर के कुलपति व आईएयूए के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह विशिष्ठ अतिथि जबकि एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर. काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक व सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि 'कृषि में नए आयामों की खोज और भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' विषय पर होने वाले इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के 50 से अधिक कुलपति भाग लेंगे। सम्मेलन में कुलपति, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भविष्य की कृषि योजनाओं पर मंथन करेंगे। जैविक और प्राकृतिक खेती, पर्यावरण संरक्षण, फसल विविधीकरण, अवशेष प्रबंधन आदि विषयों पर विचार विमर्श किया जाएगा।

सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्र होंगे आयोजित

सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रथम सत्र का विषय खेत से भविष्य तकः कृषि में नए क्षेत्रों का अन्वेषण, दूसरे सत्र में विकसित भारत 2047: कृषि संस्थानों की भूमिका और योगदान और तीसरे सत्र का विषय सतत कृषि के भविष्य के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी का सेतु बनाना रखा गया है। सम्मेलन को लेकर प्रशासन की ओर से तैयारियां की गई हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-1-26	4	2-5

हकृवि में 49वां कुलपति सम्मेलन आज से, विस के डिप्टी स्पीकर करेंगे शुभारंभ

कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि के योगदान व स्वरूप पर होगा मंथन

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 5 व 6 जनवरी को आयोजित होने वाले कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों के 49वें कुलपति सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन का शुभारंभ 5 जनवरी को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण लाल मिढ़ा बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। जीबीपीयूएटी, पंतनगर के कुलपति एवं आइएयूए के अध्यक्ष डा. मनमोहन सिंह विशिष्ट अतिथि जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डा. रमेश कुमार ने बताया कि कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप विषय पर होने वाले इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के 50 से अधिक कुलपति भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में कुलपति, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भविष्य की कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर मंथन करेंगे। इस सम्मेलन में जैविक एवं प्राकृतिक खेती, पर्यावरण संरक्षण, फसल विविधीकरण, फसल अवशेष प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा।

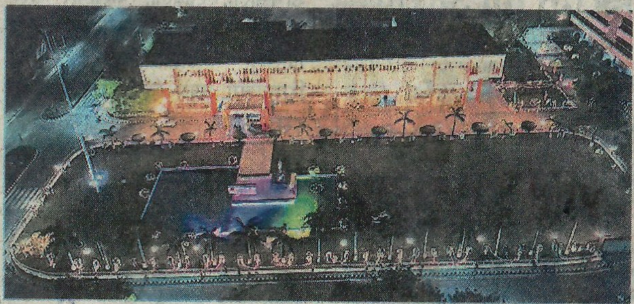

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन • विज्ञप्ति

सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्र होंगे आयोजित : सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रथम सत्र का विषय खेत से भविष्य तकः कृषि में नए क्षेत्रों का अन्वेषण, दूसरे सत्र में विकसित भारत 2047: कृषि संस्थानों की भूमिका और योगदान तथा तीसरे सत्र का विषय सतत कृषि के भविष्य के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी का सेतु बनाना रखा गया है।

सम्मेलन को लेकर प्रशासन द्वारा जबरदस्त तैयारियां की गई हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है।

हकृवि में मिलेट्स प्रोसेसिंग एंड वैल्यू एडिशन पर मिलेगा प्रशिक्षण

हिसार • विज्ञप्ति : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा पांच दिवसीय-मिलेट्स प्रोसेसिंग एंड वैल्यू एडिशन (मोटे अनाज श्री अन्न का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन) पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि प्रदेश के अनुसूचित जाति/जन जाति उम्मीदवार जो प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक हैं, संस्थान में 8 जनवरी को सांय साढ़े चार बजे तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र संस्थान में उपलब्ध हैं। आवेदन पत्र के साथ जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक खाते का विवरण तथा दसवीं उत्तीर्णिता प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5-1.26	5	8

हकृवि में मिलेट्स प्रोसेसिंग एंड वैल्यू एडिशन प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

हिसार, 4 जनवरी (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा पांच दिवसीय-मिलेट्स प्रोसेसिंग एंड वैल्यू एडिशन (मोटे अनाज श्री अन्न का प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन) पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि प्रदेश के अनुसूचित जाति/जन जाति उम्मीदवार जो प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक हैं, संस्थान में 8 जनवरी को सायं 04:30 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र संस्थान में उपलब्ध हैं। आवेदन पत्र के साथ जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक खाते का विवरण तथा दसवीं उत्तीर्णिता प्रमाण पत्र संलग्न करना होगा। प्रशिक्षण बिल्कुल निशुल्क है और प्रशिक्षण में पूरी अवधि में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाण पत्र और स्कीम के तहत सहायता सामग्री दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5.1.25	3	4

वैल्यू एडिशन प्रशिक्षण के लिए आवेदन आमंत्रित

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा पांच दिवसीय-मिलेट्स प्रोसेसिंग एंड वैल्यू एडिशन पर प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक गोदारा ने बताया कि प्रदेश के अनुसूचित जाति/जन जाति उम्मीदवार जो प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक हैं, संस्थान में 8 जनवरी को सांय 04:30 बजे तक आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि आवेदन पत्र संस्थान में उपलब्ध हैं। आवेदन पत्र के साथ जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, परिवार पहचान पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, बैंक खाते का विवरण तथा 10वीं पास प्रमाण पत्र लगाना अति आवश्यक रहेगा।हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा प्रशिक्षण बिल्कुल निःशुल्क है और प्रशिक्षण में पूरी अवधि में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को विश्वविद्यालय की ओर से प्रमाण पत्र और स्कीम के तहत सहायता सामग्री दी जाएगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	04.01.2026	--	--

हकृवि को मधुमक्खी मल्टीपरपज डिस्पेंसर के लिए मिला पेटेंट : कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिक को दी बधाई

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 5 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक प्रोफेसर ओ. पी. चौधरी द्वारा मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपज डिस्पेंसर बनाया है। इस खोज के लिए भारत सरकार से डिजाइन पेटेंट संख्या 320896-00 मिला है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने वैज्ञानिक प्रो. ओ. पी. चौधरी द्वारा अर्जित के गई इस उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई दी है।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि 'मधुमक्खी बक्से के लिए मल्टीपरपज डिस्पेंसर' एक विशेष यंत्र है जिसे मधुमक्खियों को नुकसान पहुंचाने वाले विभिन्न प्रकार के कीड़ों व बीमारियों की रोकथाम हेतु विकसित किया गया है। इस डिस्पेंसर द्वारा मधुमक्खी रोगों व कीटों की रोकथाम हेतु प्रयुक्त सभी प्रकार के कीटनाशी, माइटनाशी, रसायन व दवाइयों के फॉर्म्यूलेशंस जैसे कि ठोस, द्रव, पाउडर, जैल आदि का प्रयोग विभिन्न रोगों वरोआ माइट, पैरासिटिक माइट सिंड्रोम, अकरैपिस माइट, यूरोपियन फाउल ब्रूड, मोमी पतंगा, आदि के रोकथाम के लिए किया जा सकता है। इस डिस्पेंसर की विशेषता यह है कि इसका प्रयोग मधुमक्खी बॉक्स में तल्पपट्टा, फ्रेमों की टॉप बार, फ्रेमों के मध्य आदि किसी भी स्थान पर किया जा सकता है। इसके प्रयोग से न केवल कार्यकुशलता व मधुमक्खियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है बल्कि शहद व अन्य मधुमक्खी उत्पादों जैसे कि पराग, रॉयल जैली आदि में हानिकारक जहरीले रसायनों के अवशेषों से भी बचाव होता है। इसीलिए भारत सरकार के पेटेंट ऑफिस ने इस आविष्कार के लिए इस मल्टीपरपज डिस्पेंसर को डिजाइन पेटेंट प्रदान किया है।

मल्टीपरपज डिस्पेंसर का उपयोग मधुमक्खी की दोनों प्रजातिओं-एपिस मेलीफेरा व एपिस सेरेना- के बक्सों में सरलता से किया जा सकता है। यह मधुमक्खियों को रसायनों के सीधे संपर्क में आने से बचाकर उन्हें पूरी तरह सुरक्षित रख कर इनके शत्रुओं का प्रभावी नियंत्रण करता है। मल्टीपरपज डिस्पेंसर को वर्ष के सभी मौसमों- गर्मी, सर्दी, बरसात आदि में मधुमक्खियों की दैनिक गतिविधियों में बाधा डाले बिना प्रयोग किया जा सकता है। इसके विशेष डिजाइन के कारण मधुमक्खी पालक की कार्यकुशलता बढ़ती है व मधुमक्खी पालन के कार्यों में मेहनत भी काफी कम हो जाती है।

विश्वविद्यालय के करनाल स्थित क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र के निदेशक प्रोफेसर ओ. पी. चौधरी ने बताया कि मधुमक्खियाँ पौधों के परागण द्वारा लगभग 1.12 लाख करोड़ रुपए मूल्य की वृद्धि प्रतिवर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था में करती हैं व इसके अतिरिक्त शहद जैसा पौष्टिक आहार भी देती हैं। परंतु पिछले काफी समय से कई बीमारियों व कीड़ों का आक्रमण बहुत बढ़ा है। भारत में वरोआ माइट के वर्ष 2004 से आक्रमण लगभग 50-70 प्रतिशत मधुमक्खी कालोनियां नष्ट हुई हैं। उनके द्वारा खोजे गए समन्वित वरोआ मैनेजमेंट विधि से भारत में वरोआ माइट का प्रभावी नियंत्रण कर लिया गया है।

इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. पवन कुमार, अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग, कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एसके पाहुजा व मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश कुमार उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ-छोर	04.01.2026	--	--

कुलपति सम्मेलन की तैयारियां पूरी, डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा होंगे मुख्य अतिथि

नभ-छोर न्यूज ⏭ 04 जनवरी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कल व 6 जनवरी को आयोजित होने वाले कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों के कुलपति सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन का शुभारंभ कल विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। जीबीपीयूएटी, पंतनगर के कुलपति एवं आईएयूए के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह विशिष्ठ अतिथि जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। यह जानकारी देते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि 'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' विषय पर होने वाले इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के 50 से अधिक कुलपति भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में कुलपति, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भविष्य की कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर मंथन करेंगे। संम्मेलन में जैविक एवं प्राकृतिक खेती, पर्यावरण संरक्षण, फसल विविधीकरण, फसल अवशेष प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर भी विस्तृत विचार विमर्श किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दक्ष दर्पण समाचार	04.01.2026	--	--

हकृवि में होने वाले 49वें कुलपति सम्मेलन की तैयारियां पूरी, डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा होंगे मुख्य अतिथि

दक्ष दर्पण समाचार सेवा :(महेंद्र गोयल)

हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 5 व 6 जनवरी को आयोजित होने वाले कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों के 49वें कुलपति सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन का शुभारंभ 5 जनवरी को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। जीबीपीयूएटी, पंतनगर के कुलपति एवं आईएयूए के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह विशिष्ठ अतिथि जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। यह जानकारी देते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि 'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' विषय पर होने वाले इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के 50 से अधिक कुलपति भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में कुलपति, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भविष्य की कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर मंथन करेंगे। सम्मेलन में जैविक एवं प्राकृतिक खेती, पर्यावरण संरक्षण, फसल विविधीकरण, फसल अवशेष प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर भी विस्तृत विचार विमर्श किया जाएगा।

सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्र होंगे आयोजित-सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रथम सत्र का विषय खेत से भविष्य तकः कृषि में नए क्षेत्रों का अन्वेषण, दूसरे सत्र में विकसित भारत 2047: कृषि संस्थानों की भूमिका और योगदान तथा तीसरे सत्र का विषय सतत कृषि के भविष्य के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी का सेतु बनाना रखा गया है। सम्मेलन को लेकर प्रशासन द्वारा जबरदस्त तैयारियां की गई हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिसर को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	04.01.2026	--	--

हकृवि के नाम एक और उपलब्धि

वैज्ञानिक को मधुमक्खी मल्टीपरपज डिस्पेंसर पर मिला डिजाइन पेटेंट

प्रो. ओपी चौधरी को बधाई देते हुए कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज।

हिसार (सच कहूँ/मुकेश)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के वैज्ञानिक प्रो. ओपी चौधरी को मधुमक्खी बक्से के लिए विकसित मल्टीपरपज डिस्पेंसर पर भारत सरकार से डिजाइन पेटेंट प्राप्त हुआ है। यह यंत्र मधुमक्खियों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों व बीमारियों की रोकथाम में सहायक है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने इस उपलब्धि पर प्रो. ओपी चौधरी को बधाई देते हुए कहा कि यह आविष्कार मधुमक्खी पालन को अधिक सुरक्षित, प्रभावी और लाभकारी बनाएगा। यह डिस्पेंसर विभिन्न कीटनाशी, माइटनाशी व औषधीय फॉर्म्यूलेशंस के उपयोग में सक्षम है तथा शहद व अन्य उत्पादों में जहरीले अवशेषों से भी बचाव करता है। यह उपकरण एपिस मेलीफेरा व एपिस सेरेना दोनों प्रजातियों के बक्सों में सभी मौसमों में बिना बाधा के उपयोग योग्य है, जिससे मधुमक्खी पालकों की कार्यकुशलता बढ़ेगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	04.01.2026	--	--

हकृवि में होने वाले 49वें कुलपति सम्मेलन की तैयारियां पूरी, डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा होंगे मुख्य अतिथि

'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' पर होगा मंथन

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 5 जनवरी : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 5 व 6 जनवरी को आयोजित होने वाले कृषि विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, वैज्ञानिकों एवं नीति निर्धारकों के 49वें कुलपति सम्मेलन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सम्मेलन का शुभारंभ 5 जनवरी को हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण लाल मिढ़ा बतौर मुख्य अतिथि करेंगे। जीबीपीयूएटी, पंतनगर के कुलपति एवं आईएयूए के अध्यक्ष डॉ. मनमोहन सिंह विशिष्ठ अतिथि जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

यह जानकारी देते हुए मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक एवं सम्मेलन के आयोजन सचिव डॉ. रमेश कुमार ने बताया कि 'कृषि में नए आयामों की खोज एवं भविष्य में कृषि का योगदान व स्वरूप' विषय पर होने वाले इस सम्मेलन में देश के विभिन्न राज्यों के कृषि विश्वविद्यालयों के 50 से अधिक कुलपति भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में कुलपति, वैज्ञानिक और नीति निर्धारक भविष्य की कृषि योजनाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर मंथन करेंगे। सम्मेलन में जैविक एवं प्राकृतिक

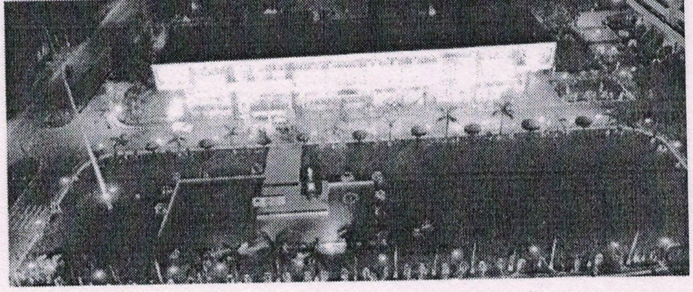

खेती, पर्यावरण संरक्षण, फसल विविधीकरण, फसल अवशेष प्रबंधन सहित विभिन्न विषयों पर भी विस्तृत विचार विमर्श किया जाएगा।

सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्र होंगे आयोजित

सम्मेलन में तीन तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रथम सत्र का विषय खेत से भविष्य तकः कृषि में नए क्षेत्रों का अन्वेषण, दूसरे सत्र में विकसित भारत 2047: कृषि संस्थानों की भूमिका और योगदान तथा तीसरे सत्र का विषय सतत कृषि के भविष्य के लिए परंपरा और प्रौद्योगिकी का सेतु बनाना रखा गया है। सम्मेलन को लेकर प्रशासन द्वारा जबरदस्त तैयारियां की गई हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय परिसर को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	05.01.2026	2	1 से 8

समन्वित कृषि मॉडल से ढाई एकड़ में 3.86 लाख कमा सकेंगे किसान : प्रो कांबोज

एचएयू के कुलपति बोले- गुरुग्राम में खोलेंगे एग्री बिजनेस मैनेजमेंट महाविद्यालय

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) प्रदेश के किसानों की आर्थिक प्रगति में सहायक साबित हो रहा है। हरित क्रांति लाने वाला यह विश्वविद्यालय अब मौसमी चुनौतियों में भी अच्छी पैदावार देने वाली किस्मों पर शोध कर रहा है।

विश्वविद्यालय ने दो पानी में पकने वाली गेहूं की नई किस्म विकसित की है। किसान इसे अपनाएं तो अरबों लीटर पानी की बचत कर सकते हैं। जल संरक्षण के लिए एचएयू को हाल ही में राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला है। कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने अमर उजाला के संवाददाता सुरेंद्र दलाल के साथ विशेष बातचीत में बताया कि इस साल गुरुग्राम में एग्री बिजनेस मैनेजमेंट महाविद्यालय खोलने के साथ ही एचएयू में भी कई नई कोर्सेज शुरू किए जाएंगे।

विश्वविद्यालय इस वर्ष में महाविद्यालयों की स्थापना भी करेगा। अमरूद की किस्म हिसार सफेदा के दो नए क्लोन पर भी काम चल रहा है। पेश है इस बातचीत के प्रमुख अंश...।

साक्षात्कार

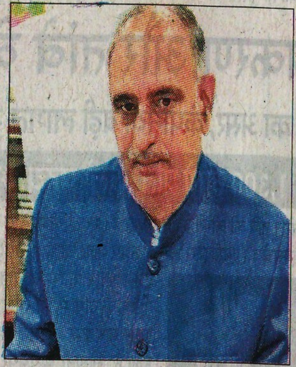

प्रो. बीआर कांबोज
कुलपति, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

सवाल : युवाओं व किसानों को उद्यमी बनाने में एचएयू किस तरह से मदद कर रहा है?

एबिक सेंटर के माध्यम से कृषि-बिजनेस को नया आइडिया देने वाले युवाओं को 5 से 25 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। अब तक 73 स्टार्टअप को 9 करोड़ से अधिक की अनुदान राशि मुहैया करवाई गई है और एबिक में अब तक 250 इनक्यूबेटर्स को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। किसानों को उद्यमी बनाने के लिए कई प्रकार के प्रशिक्षण दिए जा रहे हैं।

■ सवाल : मौसमी चुनौतियों से निपटने के लिए विश्वविद्यालय किस तरह के शोध कर रहा है?

निश्चित रूप से मौसम बदल रहा है और इससे पूरा फसल चक्र प्रभावित हो रहा है। ज्यादा बारिश की बात हो, गर्मी का बढ़ना हो, तापमान का कम होना हो, ये सब फसलों के लिए चुनौतियां हैं। सहनशील किस्मों पर विश्वविद्यालय निरंतर शोध कर रहा है। एचएयू प्रदेश के छह लाख किसानों को मौसम की सटीक जानकारी पहुंचा रहा है। मौसम की चुनौती को देखते हुए गेहूं की डब्ल्यूएच 1309 किस्म विकसित की है जो फरवरी-मार्च में अधिक तापमान होने पर भी अच्छा उत्पादन देती है।

■ सवाल : समन्वित कृषि मॉडल क्या है और किसान इसको किस तरह से अपनाएं?

हमारे 80 प्रतिशत से ज्यादा किसान छोटे और सीमांत हैं। इसे ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय की ओर से ढाई एकड़ जमीन यानी एक हेक्टेयर में समन्वित खेती पर शोध किया गया। शोध में पाया कि न केवल फसलें बल्कि सब्जी, फल, पशुपालन, केंचुआ (वर्मी कम्पोस्ट), मशरूम, बायोगैस इन सभी को आपस में जोड़ दें तो समन्वित कृषि मॉडल से एक हेक्टेयर में 3,86,000 रुपये का लाभ हो सकता है। इसको नाबार्ड व भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने भी अनुमोदित किया है।

■ सवाल : एचएयू को हाल ही जल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय अवॉर्ड मिला है, इसके बारे में बताइए?

प्रदेश के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने और कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए प्रेरित कर भारी मात्रा में पानी की बचत करने के लिए विश्वविद्यालय को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से जल पुरस्कार 2024 मिला है। एचएयू को सर्वश्रेष्ठ संस्थान श्रेणी में प्रथम पुरस्कार दिया गया है हमारे वैज्ञानिकों के प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया।

■ सवाल : कुलपति के तौर पर आप क्या उपलब्धियां गिनाना चाहेंगे?

मेरे चार साल के कार्यकाल में विश्वविद्यालय ने अनुसंधान, शिक्षा, विस्तार और नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। पहली बार सर्वश्रेष्ठ ए प्लस ग्रेड और जल संरक्षण व प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय अवॉर्ड मिला है। पिछले चार साल में फसलों की 50 किस्में विकसित की हैं। आस्ट्रेलिया के वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय के साथ समझौते के तहत डुअल डिग्री प्रोग्राम शुरू किया है। नवाचार केंद्र एग्री बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर को राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2021 में बेस्ट इनक्यूबेशन सेंटर का अवॉर्ड भी मिला है। सरसों, चारा, मूंग, मूंगफली व बाजरा अनुभाग को राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान केंद्र के अवॉर्ड से नवाजा गया है।

■ सवाल : प्राकृतिक और जैविक खेती पर शोध के लिए स्थापित रिसर्च सेंटर की कितनी उपयोगिता साबित हुई है?

प्राकृतिक खेती समय की मांग है। विश्वविद्यालय में दीनदयाल उपाध्याय जैविक खेती उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना की गई है जहां हम जैविक व प्राकृतिक खेती के लिए प्रौद्योगिकी विकसित किए जाने के साथ-साथ कृषि उत्पादन व इसकी गुणवत्ता को लेकर तुलनात्मक अध्ययन कर रहे हैं। इस केंद्र के माध्यम से किसान भाइयों को ट्रेनिंग भी दे रहे हैं ताकि किसान फसली लागत में कमी कर सकें और उत्पाद की गुणवत्ता भी बढ़े और उन्हें अच्छी कीमत मिले।

■ सवाल : खाद्यानों की उन्नत किस्मों के विकास में विश्वविद्यालय की क्या उपलब्धियां रहीं?

प्राकृतिक संसाधनों का संचय भविष्य की पीढ़ियों को खाद्य और पोषक सुरक्षा देने के लिए अति आवश्यक है। इस दिशा में हमने गेहूं की डब्ल्यूएच 1402 और डब्ल्यू एच 1309 किस्में जारी की हैं। 1402 किस्म केवल दो पानी में प्रति एकड़ 55 मन तक पैदावार देती है और इसकी अधिकतम पैदावार 60 मन प्रति एकड़ के हिसाब से है। डब्ल्यूएच 1309 की भी यही खूबी है। सरसों की आरएच 1975, आरएच 725, मूंग में हरियाणा 421 व 1772 , एमएच 1762 अच्छी किस्में हैं जो कम पानी और कम खाद में भी अच्छी पैदावार देती हैं।

■ सवाल : फलों व सब्जी की फसलों को बढ़ावा देने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

मूंग की हमने अच्छी किस्में निकाली हैं। हिसार की अमरूद की दो किस्में हिसार सफेदा और हिसार सुरखा बहुत अच्छी हैं। हालांकि निमेटोड से कुछ दिक्कत आने की संभावना है। इसलिए दो नए क्लोन तैयार कर रहे हैं। फूलों की बात करूं तो गेंदा की हिसार ब्यूटी और हिसार जाफरी किस्में अच्छा लाभ देती हैं। अमरूद और बेर पर कार्य कर रहे हैं। औषधीय पौधों में हरियाणा मुलेठी नंबर 1 बहुत अच्छी किस्म है। मेथी, धनिया की अच्छी किस्में हमारे पास हैं। वेजिटेबल ग्राफ्टिंग भी किसानों के लिए फायदेमंद होगी।

■ सवाल : शिक्षा के क्षेत्र क्या उपलब्धियां गिनाना चाहेंगे?

ड्यूल डिग्री प्रोग्राम में हम अच्छा कार्य कर सकते हैं। आईडीपी प्रोग्राम में 142 स्नातक छात्र व 36 फैकल्टी चेक गणराज्य, थाईलैंड, वियतनाम, अमेरिका, पोलैंड, तुर्की, जर्मनी के विभिन्न संस्थानों में गए हैं। हमारे पास 9 अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम, 49 पीजी प्रोग्राम और 44 पीएचडी कोर्सेज हैं। मत्स्य और बायोटेक्नोलॉजी कॉलेज शुरू कर दिए हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की तर्ज पर नई शिक्षा नीति को पूर्णतया लागू कर दिया गया है और कई नए विषयों की शुरुआत भी की गई है। बेसिक साइंस और एग्री बिजनेस मैनेजमेंट जैसे नए कोर्सेज शुरू किए हैं।

साक्षात्कार का वीडियो देखने के लिए स्कैन करें क्यूआर कोड।